**Seventeenth Loksabha**

an>

Need to set up a Central University in Rohtas district, Bihar in the name of Shaheed Nishan Singh

श्री छेदी पासवान (सासाराम): महोदय, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी शहीद निशान सिंह को माफी मांगने से इनकार करने पर ब्रिटिश हुकूमत द्वारा 7 जून 1858 को तोप के मुंह में बाँध कर उन्हें उड़ा दिया गया। शहीद निशान सिंह सन् 1857 के अग्रणी सेनानी बाबू कुंवर सिंह के साथ के सेनानी थे। आजादी के 75 वर्षों के बाद भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अमर शहीद निशान सिंह का पैतृक गांव मेरे संसदीय क्षेत्रान्तर्गत रोहतास जिला के शिवसागर प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम बड्डी है। सासाराम के कुराइच नामक स्थान पर उन्हें तोप से उड़ा दिया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर अमर शहीद की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने एवं उन्हें चिर प्रतीक्षित सम्मान देने हेतु सदन के माध्यम से हमारी माँग है कि अमर शहीद निशान सिंह के नाम पर सासाराम (बिहार) में एक केन्द्रीय विश्व विद्यालय की स्थापना की जाए।